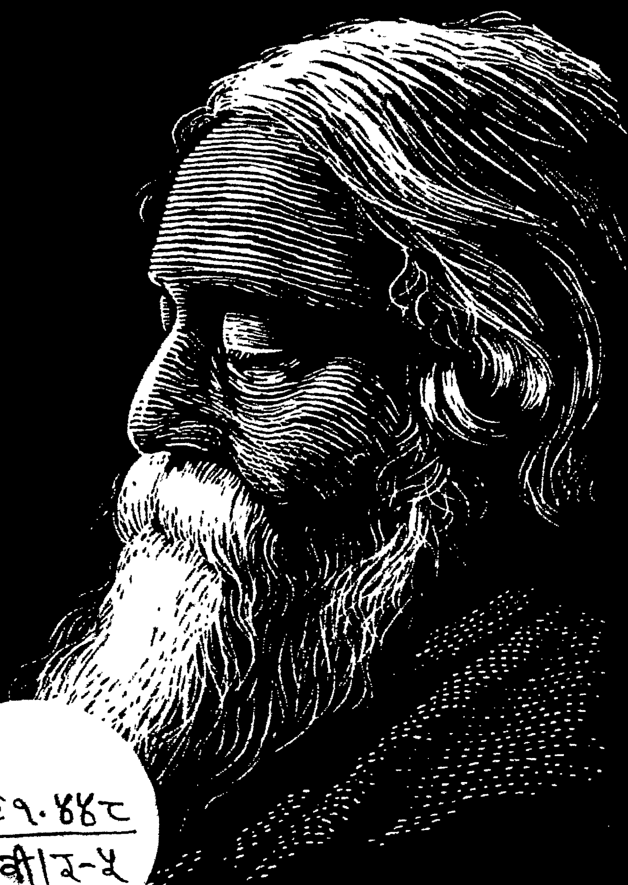
# रवीन्द्र-साहित्य





धन्यकुमार जैन